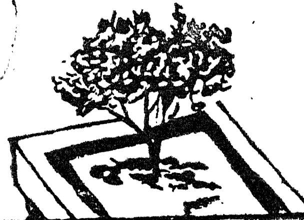
उत्तर प्रदेश भाषा निधि के सौजन्य से

रत्ना-तुलसी





८११.०४
विश्व/र



विकल गोंडवी